Bhojpuri

(A)Major Core Courses

Sl. No.	Sem	Type of Course	Name ofCourse	Credits	Marks
1.	I	MJC-1	भोजपुरी साहित्यके इतिहास (आदिकाल स मध्यकाल)	6	100
2.	II	MJC-2	प्रचीन और मध्यकालीन भोजपुरी काव्य	6	100
3.	III	MJC-3	भोजपुरी कथा साहित्य (उपन्यास–कहानी)	5	100
4.	III	MJC-4	भाषा विज्ञान और भोजपुरी भाषा	4	100
5.	IV	MJC-5	काव्य शास्त्र (भारतीय आ पाश्चात्य)	5	100
6.	IV	MJC-6	आधुनिक भोजपुरी काव्य	5	100
7.	IV	MJC-7	भोजपुरी साहित्य के लोक सहित्य	5	100
8.	V	MJC-8	भोजपुरी आलोचना और निबंध	5	100
9.	V	MJC-9	भोजपुरी साहित्य के इतिहास (आधुनिककाल)	5	100
10.	VI	MJC-10	भोजपुरी के स्वतंत्रा पूर्व कविता	4	100
11.	VI	MJC-11	प्रवासी भोजपुरी भाषा साहित्य	5	100
12.	VI	MJC-12	क्षमकाजी भोजपुरी	5	100
13.	VII	MJC-13	भोजपुरी के कुँवर काव्य, महेन्द्र मिश्र काव्य और भिखारी ठाकुर साहित्य	5	100
14.	VII	MJC-14	भोजपुरी पत्र कारिता	5	100
15.	VII	MJC-15	भोजपुरी नाटक आ एंकाकी	6	100
16.	VIII	MJC-16	भोजपुरी लोककला,लोक साहित्य और संगीत	4	100

Sub Total = 80

StudyGrim.com

स्नातक(भोजपुरी)

MJC-02 **सेमेस्टर ।।**

क्रेडिट–06

अंक–100

प्राचीन आ मध्यकालीन भोजपुरी काव्य

उद्देश्य–

(1) भोजपुरी के प्राचीन आ मध्यकालीन काव्य–साहित्य से छात्र लोगन के अवगत करावल।

(2) नाथसाहित्य आ भक्तिसाहित्य में व्यक्त मानवीय मूल्यन से छात्र लोगन के अवगत करावल।

(3) राजनितिक, सामाजिक आ सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के आलोक में एह कवितन के भावभूमि से अवगत करावल।

परिणाम–(Outcomes)

(1) नाथसाहित्य, संतसाहित्य (भक्तिसाहित्य) के अध्ययन से छात्र लोगन के भीतर मानवीय मूल्यन के विकास होई।

(2) भक्तिकालीन कवियन के जीवन आ साहित्य में समाहित उदात्त मूल्यन से प्रेरणा पा के छात्र लोगन के चरित्र में सद्गुण के विकास होई।

(3) भोजपुरी भाषा के लालित्य आ व्यंजना शाक्ति से परिचित भइला के बाद छात्र लोगन में साहित्यिक अभिरूचि पैदा होई।

अंक–विभाजन **समय–3 घंटा (70 अंक)**

(1) पाँच आलोचनात्मक प्रश्नन में से तीनिगो के उत्तर जरूरी	10X3=30
(2) छह लघूत्तरी प्रश्नन में से चारिगो के उत्तर जरूरी	5X4=20
(3) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नन के उत्तर जरूरी	10X2=20
	70

14-06-22

StudyOrigin.com

आंतरिक मूल्यांकन–30 अंक

i.	लिखित परीक्षा	–15
ii.	एसाइनमेंट	–05
iii.	सेमिनार / क्विज	–05
iv.	उपस्थिति	–05
		30

(1) पाठ्यपुस्तक–भोजपुरी के कवि और काव्य–श्री दुर्गाशंकर प्रसाद सिंह प्रकाशक बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।

इकाई–01–	गोरखबानी (क) आरंभिक पाँच छंद(सबदी) (ख) चाल्योरे पाँचों भाइला तैणें बन जाइला (ग) कैसे बोलौं पंडिता देव कौने ठाँई	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–02–	भर्तृहरि– बारहमासा	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**

(2) निरगुनबानी–सं०–कुलदीप नारायण 'झड़प' डॉ० शम्भु शरण, प्रकाशक–अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य साहित्य सम्मेलन, पटना।

इकाई–03–	कबीरदास निर्धारित पाठ – तोर हीरा हेराइल बा कीचड़े में। – कवन ठगवा नगरिया लूटल हो –मन ना रंगाये –अइली गवनवा के सारी	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–04–	धनी धरमदास– निर्धारित पाठ –खेलत रहलीं बाबा –पिया बिनु मोहे नींद ना आवे। –कहंवा से जीव आइल –खेलत रहलीं अंगनवा सखी संग।	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**
इकाई–05–	दरिया साहेब (बिहारवाले) निर्धारित पाठ– –विनती –मोहि न भावे नैहरवा –अबकी के बार बकसु मोर साहेब	**व्याख्यान 9** **ट्यूटोरियल 3=12**

14-06-23

StudyOrigin.com

अभिस्तावित ग्रंथ–

(1) भोजपुरी साहित्य के इतिहास–डॉ० अर्जुन तिवारी

(2) भोजपुरी के आदिकाव्य–डॉ० जयकान्त सिंह 'जय'

(3) भोजपुरी साहित्य का इतिहास–डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय

(4) भोजपुरी भाषा के इतिहास–रासबिहारी पाण्डेय

14-06-22

StudyOrigin.com